वार्तालाप नम्बर 867; राइटरपुर (नेपाल) ता.2.11.09
Disc.CD No.867, dated 2.11.09 at Writerpur (Nepal)

समय-00.33-03.42

जिज्ञासु – ईसाई धर्म वालों से हम लोग खाना खा सकते हैं क्या?

बाबा– सब धर्म वालों के यहाँ?

जिज्ञासु– क्रिश्चियन जो हैं उनके हाथ का खाना खाएं या ना खाएं?

बाबा– जैसा अन्न वैसा मन। बाबा का स्लोगन नहीं पढ़ा कहीं? जैसा अन्न वैसा मन। जैसा संग वैसा रंग; तो आप मन–बुद्धि रूपी आत्मा को क्रिश्चियन बनाना चाहते हैं? अरे, अन्न खायेंगे तो वैसा ही मन बनेगा ना? नहीं बनेगा? बनेगा। क्रिश्चियन का अन्न खायेंगे तो मन बुद्धि जो है क्रिश्चियन जैसी बन जाएगी। क्रिश्चियन ने क्या किया हिस्ट्री में? भारत के ऊपर आकर के बार–2 आक्रमण किए। खूब खून खराबा किया दुनिया में विश्व की बादशाही लेने के लिए; तो हम भी क्या करेंगे? खूब खून खराबा करेंगे, जोर–जबरदस्ती करेंगे, बलात्कार करेंगे। जोर–जबरदस्ती माना बलात्कार, बलपूर्वक कार्य करना और कराना। किसी को स्वेच्छा के आधार पर नहीं चलने देगें। बाबा हमको ऐसा थोड़े ही सिखाते हैं।

Time: 00.33-03.42

Student: Can we eat food cooked by Christians?

Baba: From people of all the religions?

Student: Can we eat food cooked by Christians or not?

Baba: As is the food so is the mind. Didn't you read Baba's slogan anywhere? As is the food, so is the mind. As is the company so is the colour (i.e. effect). So, do you want to make your soul in the form of the mind and intellect Christian? Arey, if you eat their food, your mind will also become like that, won't it? Will it not become? It will. If you eat food cooked by Christians, your mind and intellect will become like Christians. What did the Christians do in history? They came and attacked India again and again. They committed a lot of bloodshed in the world to seek the emperorship of the world. So, what will we too do? We will indulge in a lot of bloodshed; we will do forceful acts, rape. Forcing oneself upon someone means rape; doing something forcibly and making others do something forcibly. They will not allow anyone to do anything voluntarily. Baba does not teach us to do this.

बाबा तो सिखाते हैं - स्वतंत्र रहो और स्वतंत्र रहने दो। किसी से अपनी बात जबरदस्ती मत मनवाओ; जैसे क्रिश्चियन, मुसलमानों ने किया। मुसलमानों ने तो और ही तलवार उठाई- बोलो... ब्राहमणों से क्या बोला? जनेऊ उतारते हो कि नहीं? मुसलमान बनते हो कि नहीं? कोई ने कहा नहीं, खप; सर काट दिया। देखने वाले डर गये और जो डर गये वो ढ़ेर के ढ़ेर जो डर गये उन्होंने सबने मुसलमान धर्म स्वीकार कर लिया। तो अन्न खाना है मुसलमानों का, क्रिश्चियन्स का? नहीं खाना? पूछ तो रही थी खाने का दिल तो था। (किसी ने कुछ कहा) क्रिश्चियन है लौकिक सम्बन्धी? तो होने दो। उनको भी कनवर्ट करो, ब्राह्मण बनाओ।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

In fact, Baba teaches: Be independant and let others be independant. Do not force anyone to accept your views just as the Christians and the Muslims did. The Muslims drew out their swords, "Say....", what did they say to the brahmins? Will you take off your *janeu* (sacred thread) or not? Will you become a Muslim or not? If someone said no, they cut their heads immediately. The spectators became frightened and those numerous people who were frightened adopted the Muslim religion. So, do you want to eat the food cooked by Muslims, Christians? Don't you want to eat? You were asking; so were interested. (Someone said something.) Are your relatives Christians? Let them be. Convert them as well. Make them brahmins.

समय- 03.50-13.05

जिज्ञासु– गुल्जार दादी के तन में ब्रह्मा बाबा आकर के अगर बोलते हैं तो, उनको बता देना चाहिए कि शिवबाबा इस जगह है।

बाबा- शिवबाबा?

जिज्ञासु- इस जगह पे है, वहाँ नहीं है।

बाबा- हाँ, गुल्जार दादी में नहीं आता है।

जिज्ञासु- इस वक्त कहाँ है बता देना चाहिए।

बाबा- बताय देना चाहिए।

Time: 03.50-13.05

Student: If Brahma Baba comes and speaks through the body of Gulzar Dadi, he should tell them that Shivbaba is at this place.
Baba: Shivbaba?
Student: [He should tell them:] He (Shivbaba) is at this place, not there.
Baba: Yes, He does not come in Gulzar Dadi.
Student: He (i.e. Brahma Baba) should tell them where He (i.e. Shivbaba) is at present.
Baba: He should tell them.

जिज्ञासु- हाँ, इनका कहने का मतलब।

बाबा– वो कहेंगे कि तुम नहीं देखते हो कि गुल्जार दादी का चेहरा-मोहरा सारा लाल हो गया, आँखें एकदम चढ़ गई ऊपर अव्यक्त स्टेज में, तुम्हें दिखाई नहीं पडता? तब क्या कहोगे?

जिज्ञासु– ब्रह्मा बाबा क्लीयर करना चाहिए शिवबाबा फलाने जगह पर है।

बाबा– अच्छा, माना ब्रह्मा बाबा क्यों नहीं क्लीयर करते वहाँ? अगर ब्रह्मा बाबा की सोल आती है और ब्रह्मा बाबा ज्ञान चन्द्रमाँ है वो शंकर में भी प्रवेश करके ज्ञान तो ले रहा है ना? तो यहाँ की बात वहाँ जाके क्लीयर क्यों नही करता? उसका कारण यह है कि ब्रह्मा की सोल साकार चोला तो छोड़ चुकी, अभी उनको मिला है आकारी चोला, सूक्ष्म शरीर। तो सूक्ष्म शरीरवाली आत्मा जब रूद्रमाला के मणकों में प्रवेश करती है, उस समय उसका सूक्ष्म शरीर खत्म हो जाता है, बिन्दु बन जाती है। क्या?

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Student: Yes, this is what she wants to say.
Baba: They will say, don't you see that Gulzar Dadi's face has become red, that her eyes have raised in an *avyakt* stage; can't you see? Then what will you say?
Student: Brahma Baba should make it clear that Shvibaba is at this particular place.
Baba: OK, you mean to ask, "why doesn't Brahma Baba make it clear there?" If the soul of Brahma Baba enters, and Brahma Baba is the Moon of knowledge, He is taking knowledge by entering Shankar as well, isn't he? So, why doesn't he make this topic clear when he goes there? Its reason is that Brahma's soul has left his corporeal body; now he has received a subtle body. So, when a soul with a subtle body enters the beads of the *Rudramala* (the rosary of Rudra), its subtle body ends at that time; it becomes a point. What?

जो भी रूद्रमाला के मणके हैं वो बिन्दुरूप स्टेजवाले हैं या सूक्ष्म शरीर धारण करनेवाले हैं? बिन्दुरूपी स्टेज धारण करनेवाली आत्मायें हैं, पावरफुल आत्मायें । सारी सृष्टि की बीज हैं, तो ब्रह्मा की सोल भी जब प्रवेश करती है तो बिन्दु, बीज बन जाती है, पावरफुल बन जाती है। क्या? ऐसे नहीं कि सूक्ष्म शरीर उनका रह जाता है, सूक्ष्म शरीरधारी प्रवेश करता है। नहीं, वो आत्मा बिन्दुरूपी स्टेज में आ जाती है और बिन्दुरूपी स्टेज में जब तक रहती है, प्रभाव में तब तक वो पढ़ाई पढ़ती है। फिर क्या होता है?
Are all the beads of the *Rudramala* the ones having a seed-form stage or the ones who take on a subtle body? They are souls who take on a seed-form stage, they are powerful souls. They are the seeds of the entire world; so when even the soul of Brahma enters, it becomes a point, a seed, it becomes powerful. What? It is not that he retains his subtle body; that the subtle bodied soul enters. No, that soul takes on a seed-form stage and as long as it remains in the stage of a point, [as long as it remains] under its influence it studies knowledge. What happens after that?

ब्रह्मा की सोल सिर्फ एक में ही प्रवेश कर रही है, बापदादा एक में ही प्रवेश करते हैं कि बहुत से बच्चों में प्रवेश कर के सेवा कर रहे हैं? बहुत से बच्चों में प्रवेश करते हैं। ऐसे तो नहीं कि राम वाली आत्मा में ही उनको प्रवेश करना है और बच्चों में प्रवेंश नहीं करते? नम्बरवार सभी बच्चों में प्रवेश करते हैं। बहुत से बच्चे अनुभव करते हैं कि हम तो इस व्यक्ति को ये ज्ञान सुनाए नहीं सकते थे, लेकिन ऐसे-2 प्वाइन्ट हमारे अंदर से निकले कि वो आदमी कनविन्स हो गया। यह ज्ञान तो हमारे बुद्धि में था ही नहीं, यह सब कहाँ से आया? तो किसने प्रवेश किया? बापदादा ने प्रवेश करके ज्ञान सुनाया। हम बच्चे तो तमोप्रधान हैं, तमोप्रधान। हम सेवा नहीं कर पाते उतनी, कौन सेवा करता है इस समय? बापदादा की आत्मा ही सेवा करती है।
Is the soul of Brahma entering only one, does Bapdada enter only one or is he entering many children and doing service? He enters many children. It is not that he has to enter only the (body of the) soul of Ram. Does he not enter the other children? He enters in all the children *numberwise* (according to their stage). Many children feel, we couldn't have narrated this knowledge to this person, but such points emerged (from my mouth) that the person was convinced. My intellect did not have this knowledge at all; where did all this (knowledge) come from? So, who entered? Bapdada entered and narrated the knowledge. We children are

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

tamopradhan[1]. We are not able to do service to that extent; who does service at this time? The soul of Bapdada himself does service.

तो जो बापदादा है वो एक बच्चे में प्रवेश नही करता , ब्रह्मा। जो भी नम्बरवार रूद्रमाला के मणके हैं उनमें प्रवेश करके पार्ट बजाए रही है। लेकिन रूद्रमाला के मणके नम्बरवार हैं कि एक जैसे हैं? नम्बरवार हैं। उन नम्बरवार में से रामवाली आत्मा फर्स्ट क्लास है। तो रामवाली आत्मा में प्रवेश करते हैं तो रामवाली आत्मा का संग लगता है और जब दूसरे धर्म के बीजरूप आत्माओं में प्रवेश करेंगे तो उनका संग का रंग लग जाता है; आया समझ में?

So, Bapdada, Brahma does not enter (only) in one child. He is entering all the *numberwise* beads of the *Rudramala* and playing his part. But are the beads of the *Rudramala numberwise* or similar? They are *numberwise*. Among those *numberwise* [beads] the soul of Ram is *firstclass*. So, when he enters the soul of Ram, it is coloured by the company of the soul of Ram and when he enters the seed-form souls of other religions he is coloured by their company. Did you understand?

तो जब कमजोर आत्माओं में प्रवेश करते हैं, कमजोर बीजों में प्रवेश करते हैं, ऐसी बीजरूप आत्माओं में प्रवेश करते हैं जिनके देहाभिमान का छिलका बहुत मोटा है। कोई बीज होते है, किसी का पतला छिलका और किसी का मोटा छिलका। कोई में इंड़े मारो जल्दी छिलका उतर जायेगा कोई में डंडियाते रहो, छिलका उतरता ही नहीं जल्दी। धर्मराज के डंडों से भी जल्दी छिलका नही उतरेगा उनका, लम्बी–2 सजायें खायेंगे। तो ऐसे बच्चों में भी ब्रह्मा की सोल प्रवेश कर रही है कि नहीं कर रही है? कर रही है। तो उनके संग का रंग ब्रह्मा की सोल को लगेगा या नहीं लगेगा? लगेगा। तो जब उनका संग का रंग लगता है, कमजोर बच्चों का; तो मोही बनेंगे या निर्मोही बनेंगे? नष्टोमोहा बनेंगे, नष्टोमोहा स्मृतिलब्धा बनेंगे या मोही बनेंगे? (किसीने कुछ कहा) अच्छा, नष्टोमोहा बनेंगे? कमजोर आत्माओं में प्रवेश करने से नष्टोमोहा बना जाता है? कमज़ोर आत्माओं में प्रवेश करेंगे तो और ज्यादा कमज़ोरी आयेगी। तो ब्रह्मा की सोल में उन बच्चों के अंदर प्रवेश करने से जो संग का रंग लगता है, जो कमज़ोरी आती है; वो कमज़ोरी उनको फटाक से उधर ही खींच लेती है? कहाँ? बेसिक वालों के पास, अज्ञानी बच्चों के पास और उनका कल्याण करने के लिए भाग खडे होते हैं।

So, when he enters the weak souls, the weak seeds, when he enters such seed-form souls whose peel of body consciousness is very thick...; the peel of some seeds is thin and the peel of some is thick. The peel of some seeds comes out easily when it is beaten with a stick and the peel of some seeds doesn't come out soon, no matter how much you beat them. Their peel will not be removed quickly even with the beatings of Dharmaraj; they will suffer punishments for a long time. So, is the soul of Brahma entering such children also or not? It is entering. So, will the soul of Brahma be coloured by their company or not? It will. So, when he is coloured by their company, the company of the weak children, will he develop attachment or will be become detached? Will he become detached, will he become

[1] Dominated by darkness or ignorance.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

nashtomoha smritilabdha[2] or attached? (Someone said something.) *Accha*, will he become detached? Does someone become *nashtomoha* if he enters weak souls? If he enters weak souls, he will become weaker. So, the colour of the company, the weakness that the soul of Brahma acquires by entering those children pulls him there immediately. Where? To those who follow the basic knowledge, to the ignorant children and he runs there to bring about their benefit.

तो वहाँ उनके तरह की बात करेंगे या जहाँ ज्ञानसूर्य प्रवेश कर रहा है वो ज्ञानसूर्य की बात करेंगे? अज्ञानियों के बीच में जाकर के अज्ञानियों जैसी भाषा बोलेंगे या ज्ञानियों जैसी भाषा बोलेंगे? बोलते तो हैं भगवान की याद में, निराकारी स्टेज तो होती है उनकी, बिन्दु की याद में तो बोलते हैं, लेकिन जो कुछ भी बोलते हैं उस बोली हुई बात को वो ब्रह्माकुमार-कुमारियाँ नहीं समझ पाते हैं पूरा। जैसे भारत के जो भी शास्त्रकार हुए शास्त्र लिखने वाले रामायण, महाभारत, भागवत, गीता उनके श्लोकों का अर्थ आज के विद्वान-आचार्य नहीं समझ पा रहे हैं और भगवान आकर के ब्रह्मा के तन से सारे सार खोल रहे हैं। तो वो जो शास्त्र लिखवाए, वो सतोप्रधान बुद्धि से लिखे गये थे या तमोप्रधान बुद्धि से? उस समय जो द्वापरयुग के आदि में शास्त्र लिखे गये, वो शास्त्र भी सतोप्रधान थे या तमोप्रधान? सतोप्रधान थे। दुनिया की हर चीज पहले सतोप्रधान होती है।

So, will he speak like them there or will he speak about where the Sun of knowledge is entering, [will he speak] about the Sun of knowledge? Will he speak like ignorant people among ignorant people or will he speak like the knowledgeable ones? He does speak in the remembrance of God, he does have an incorporeal stage, he does speak in the remembrance of the point, but whatever he speaks is not understood by those Brahmakumar-kumaris completely. For example, all the writers of the scriptures of India [who wrote scriptures] like the Ramayana, the Mahabharata, the Bhagwat, the Gita; today's scholars and teachers are unable to understand the meanings of those shlokas and God has come and is opening up all the essence through the body of Brahma. So, those scriptures which were made to be written; were they written through a *satopradhan*[3] intellect or through a *tamopradhan* intellect? At that time the scriptures that were written in the beginning of the Copper Age, were those scriptures *satopradhan* or *tamopradhan*? They were *satopradhan*; everything in the world is *satopradhan* at first.

ऐसे ही ब्रह्मा जब बिन्दुरूपी स्टेज में, याद में रहकर के गुल्जार दादी में प्रवेश करता है तो उस समय सात्विक स्टेज है। वो जो कुछ भी बोलता है, वो तो अपने तरीके से बोलता है। लेकिन ब्रह्माकुमार-कुमारी उसके अर्थ को नहीं समझ पाते। लेकिन ऐसी बात नहीं क्लीयर कर के बोल सकता जिससे कि सारी बात क्लीयर हो जाये एडवान्स ज्ञान की। इसलिए आपके प्रश्न का समाधान, क्या हुआ? कि ब्रह्माबाबा वहाँ जाकर के यह बात क्लीयर नहीं कर सकते कि गीता का भगवान मैं नहीं हूँ; गीता का भगवान शिव शंकर भोलेनाथ ही है। मैं गीता का साकार भगवान नहीं हूँ। अगर मैं गीता का साकार भगवान होता तो भगवान भी सूक्ष्म शरीर

[2] The one who has conqured attachment and regained the awareness of the soul.
[3] Consisting in the quality of goodness and purity.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

के बंधन में आता है क्या? आता है? भगवान थोड़े ही सूक्ष्म शरीर धारण करता है। सूक्ष्म शरीर तो भूत-प्रेत आत्मायें धारण करती हैं। जो ज्यादा पाप करते हैं उनके पापकर्मों का ज्यादा वजन ना चढ़े इसलिए उनको सूक्ष्म शरीर मिलता है, अकाले मौत हो जाती है। तो यह बात ब्रह्मा की सोल नहीं बता सकती वहाँ।

Similarly, when Brahma enters Gulzar Dadi in a point-like stage, in (the Father's) remembrance, he is in a pure stage. Whatever he speaks is, he speaks it in his own way but the Brahmakumar-kumaris are unable to understand its meaning. But he cannot speak in such a clear way so that everything about the advance knowledge becomes clear. This is why, what is the solution to your question? That Brahma Baba cannot go there and make it clear, I am not the God of the Gita; the God of the Gita is Shiv Shankar Bholeynath only. I am not the corporeal God of the Gita. Had I been the corporeal God of the Gita, then would God too come in the bondage of subtle body? Does He come? God does not take on a subtle body. The souls of ghosts and spirits take on a subtle body. Those who commit more sins get a subtle body to prevent them from accumulating greater burden of sins. They die an untimely death. So, Brahma's soul cannot tell this there.

समय-13.06-25.25

जिज्ञासु– बाबा, भक्तिमार्ग में अर्धनारीश्वर का रूप दिखाते हैं, वो दिखाने का कारण... मतलब बापदादा कम्बाइन्ड है इसलिए दिखाते हैं क्या बाबा?

बाबा– बिल्कुल, फर्स्ट क्लास सीता कौन है? तुम सब सीताएँ हो। जब मुरली में बाबा बोलते हैं कि तुम सब सीताएँ हो। तो खासकर किन आत्माओं को सामने रखकर बोलते हैं? अरे, ब्रह्मा के तन से बोला ना? जब ब्रह्मा के तन से बोलते हैं तुम सब सीताएँ हो, तो जिनको सीताएँ बोलते हैं वो अव्वल नम्बर की सीताएँ सामने होती होंगी कि नहीं होती होंगी; इमर्ज करते कि नहीं करते? तो पहले रूद्रमाला के मणकों को इमर्ज करते हैं कि विजयमाला के मणकों को सामने इमर्ज करते हैं? रूद्रमाला के मणकों को इमर्ज करते हैं और रूद्रमाला के मणकों में पहला, दूसरा नम्बर उनके सामने होता होगा या नहीं होता होगा? पहला नम्बर है रामवाली आत्मा, शंकरवाली आत्मा और शंकर को सबसे प्यारी नगरी कौनसी प्रसिद्ध है? काशीनगरी। तो वो हो गई उनकी सहयोगी आत्मा।

Time: 13.06-25.25

Student: Baba, the form of *ardhanareeshwar*[4] is shown in the path of *bhakti*; does it mean that Bap Dada are combined? Is this why they show [that picture]?

Baba: Certainly; who is the first class Sita? You all are Sitas. When Baba says in the Murlis: you all are Sitas, so, which souls does He especially emerge in front of Himself and speak? Arey, He spoke through the body of Brahma, didn't He? So when He speaks through the body of Brahma, 'you all are Sitas', so, the ones whom He calls 'Sitas', are those number one Sitas in front of Him or not? Does He emerge them or not? So, does He first emerge the beads of *Rudramala* or the beads of *vijaymala* in front of Himself? He emerges the beads of *Rudramala* and among the beads of *Rudramala*, are the first and second beads in front of

4 The form in which there is half male and half female

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Him or not? The first is the soul of Ram; the soul of Shankar and which city is dearest to Shankar? *Kashi nagari*. So, that soul is his helper soul.

जो काशीनगरी है उसी का नाम शास्त्रों में अनुसूया रखा गया है। जिस अनुसूया को तीनों देवताओं ने लक्ष्मी, सरस्वती और पार्वती से भी ज्यादा पवित्र माना और साबित कर के भी दिखा दिया। माना रूद्रमाला में अगर सबसे जास्ती पवित्र मणका है... नहीं, सबसे जास्ती अपवित्र मणका है तो कौन है? जिसमें शिवबाबा प्रवेश करते हैं मुकर्रर रूप से, कौन है? अरे! मुकर्रर रूप से कौन से मणके में प्रवेश करते हैं जो दुनिया का सबसे अपवित्र मणका है? कौन होता है? मैं बडे ते बडे कामी काँटे में आकर के बड़े ते बड़ा फूल बनाता हूँ; कौन है वो? प्रजापिता। और प्रजापिता के साथ ही दूसरे नम्बर पर कौन बैठा है? काशीनगरी। शास्त्रों में यह बात प्रसिद्ध है कि शंकरजी को कौनसी नगरी प्यारी है? कौनसी नगरी प्यारी है? काशीनगरी प्यारी है। जिसके लिए गायन है कि जो काशी में जाके मरेगा वो स्वर्ग में जायेगा। काशी में जाके नहीं मरेगा तो स्वर्ग में जीतेजी नहीं जायेगा। अगर जीतेजी स्वर्ग में जाना है तो काशी में जाके मरे।

Kashi nagari herself has been named as Anusuya in the scriptures. The Anusuya, who was considered purer than Lakshmi, Saraswati and Parvati by all the three male deities and they also proved her to be so. Meaning which bead is the purest bead, no, the most impure bead in the *rudramala*? The one in whom Shivbaba enters in permanent way? In which bead does He enter in permanent way, [the one] which is the most impure bead of the world? Who is it? I enter in the biggest lustful thorn and make him the biggest flower. Who is it? Prajapita. And who is sitting with Prajapita, next to him? *Kashinagari*. It is famous in the scriptur, which city is dearest to Shankar? Which city is his dearest? *Kashinagari* is his dearest one. It is famous about it that whoever dies in Kashi will go to heaven. If he does not go to Kashi and die, he will not go to heaven while being alive. If you wish to go to heaven while being alive, then you should go to Kashi and die.

काशी करवट भी भक्तिमार्ग में काशी में जाकर के खाते हैं; यादगार भी बनी हुई है और बाबा भी कहते हैं कि जिन-2 भक्तों ने वहाँ काशी करवट खाई है उनके पूर्वजन्मों के पाप सारे ही भस्म हो जाते हैं, क्यों? क्योंकि यह वही मणके हैं, वही आत्माएँ हैं संगमयुग में जिन्होने ऐसा पार्ट बजाया था कि जिन्होंने फैसला कर लिया देहाभिमान को त्यागने का कि देह के सम्बन्धियों को भी हम भूल जायेंगे अब, बिल्कुल याद नहीं करेंगे। जाकर के काशी नगरी में बसेंगे। ऐसा भूल जायेंगे कि उनसे हमें फोन से भी बात करनी पसंद नहीं है, क्या? फोन भी अगर आयेगा तो हाँ, हूँ, हाँ; कर के जवाब दे देंगे। ज्यादा लगाव-झुकाव साबित होगा ही नहीं। मिलना–जुलना भी नहीं, मिलने-झुलने की भी इच्छा नहीं। शरीर के लिए पदार्थ भी चाहिए, यह भी देहाभिमान की निशानी है। क्या?

People go to Kashi and practice *Kashi Karvat* too (the practice of jumping into the well of death which contained a big sword at its base, prevalent in medieval India) in the path of *bhakti*. The memorial is also present and Baba also says that all the sins of the past births of all those devotees who have undertaken *kashi karvat* are burnt to ashes. Why? It is because,

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

they are the very beads, the very souls, who played such a part in the Confluence Age and who decided to renounce body consciousness, 'we will forget the relatives of the body too, we will not remember them at all and we will go and become residents of *Kashi Nagari*. We will forget (the relatives) in such a way that we do not like to talk with them over phone'; what? Even if they get a phone call, they will reply in just yes or no. There will not be any proof of having much attachment or inclination at all. They will not meet (bodily relatives) either; there is no desire to meet either. Things are required for the body – this is also an indication of body consciousness. What?

देहाभिमान की निशानी क्या-2 हैं? देह के सम्बन्धियों की याद आती है तो देहभान की निशानी है या नहीं? निशानी है। देह के सम्बन्धी भी याद ना आये, अपनी देह भी याद ना आये; उसका प्रूफ ये है कि जो खिलायेंगे सो खायेंगे, जो पिलायेंगे सो पियेंगे; किसी बात में नू, ना करने वाले नहीं देह के पदार्थों के बारे में। देह के पदार्थों से नष्टोमोहा; तो घूम-घूमकर देखो सब मिनी मधुबनों में, कहीं ऐसा माहौल है कि जो भी सरेन्ड़र हैन्ड्स रहते हैं उनको जो खिलाया जाये सो ही खाने के लिए तैयार हों, जो पहनाया जाये वो ही पहनने के लिए तैयार हों। संबंधियों से कोई भी उनका कनेक्शन ना हो; काशीनगरी में वह बात मिलेगी। तो यह देह से, देह अंहकार से मरना हुआ या नहीं हुआ? अरे, ना हाँ, ना ना, आँखे फाड़ के रह गये। अरे, जवाब तो दो, देह अंहकार से मरना इसी को तो कहते हैं, जीतेजी मरना। शरीर जिंदा रहे फिर भी कहा जाये कि नहीं इसने अपने को मार लिया है। किसने प्रश्न किया था?

जिज्ञासु– मैंने प्रश्न किया था।

बाबा– समाधान हो गया?

What are the indications of body consciousness? If someone remembers the relatives of the body, is it an indication of body consciousness or not? It is an indication. They should not remember the relatives of the body as well as their own body; its proof is that they will eat whatever they are given to eat. They will drink whatever they are offered to drink; they will not say no in any matter related to things required for the body. They will be detached from the things related to the body; so, you can go around and see in all the *minimadhubans* whether there is such atmosphere anywhere that the surrendered hands are ready to eat whatever they are offered; that they are ready to wear whatever they are given to wear. They should not have any connection with the relatives. You can find that in *Kashi Nagari*. So, is this called dying from body and body consciousness or not? Arey, say either yes or no; you are just seeing blankly. Arey, at least give a reply; this itself is called dying from body consciousness, dying while being alive. The body should be alive; yet, it should be said that he has killed himself. Who had raised the question?

Student: I had raised the question.

Baba: Did you get the answer?

जिज्ञासु– समाधान मतलब बाबा जो कम्बाइन्ड की बारे में जो बताए थे, कम्बाइन्ड में।

बाबा– हाँ, वो जो दूसरे नम्बर का मणका है काशी है ना, वो ही निमित्त बनता है इस बात के लिए कि ब्रह्मा की सोल रामवाली आत्मा में फर्स्ट क्लास प्रवेश करती है, फिर उसके बाद अगर प्रैक्टिकल रूप में भी तो चाहिए। रामवाली आत्मा तो गाल बजाने वाली, शंकर वाली

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

आत्मा हो गई। ज्ञान सुनते रहो, ज्ञान सुनाते रहो, ज्ञान समझते रहो और ज्ञान समझाते रहो। सब प्रश्नों के जवाब देते रहो, समझाते रहो, मर जाओ समझाते–2; रावण के सिर काटते-2। रावण के सिर काटते थे फिर क्या होता था? काटो और फिर नये सिर। एक प्रश्न का जवाब दो और एक प्रश्न के पीछे ढ़ेर प्रश्न, कहाँ तक जवाब दोगे। तो यह प्रैक्टिकल ज्ञान नहीं हुआ।

Student: Solution; I mean to refer to whatever Baba said about being combined.

Baba: Yes, the second bead Kashi becomes an instrument for this fact that the soul of Brahma enters in a first class way in the soul of Ram; then after that he is required in a practical form also. The soul of Ram, the soul of Shankar is the one which beats the cheek (i.e. keeps speaking[5]). 'Keep listening to the knowledge, keep narrating the knowledge, keep understanding the knowledge and continue to explain the knowledge. Go on giving the replies to all the questions; go on explaining, you may die in the process of explaining, in the process of cutting Ravan's heads.' What used to happen when he cut Ravan's heads? As soon as a head was cut new heads used to emerge. Give answer to one question and numerous questions emerge from one question; how far will you give replies? So, this is not practical knowledge.

प्रैक्टिकल ज्ञान... रूद्रमाला के मणके जो हैं, सब तरह के बीज हैं उसमें; तो कोई ऐसा बीज भी तो होगा जो प्रैक्टिकल जीवन वाला हो, कि मुँह का ही बक्का लगाने वाला होगा सब रूद्रमाला के मणके। जब सारी दुनिया के बीज हैं तो ऐसा भी तो कोई बीज होगा जो प्रैक्टिकल जीवन में धारणा करने वाला हो, वो दूसरे नम्बर का मणका। लेकिन वो पुरूष चोला नहीं हो सकता, क्या? कौनसा चोला होगा? स्त्री चोला होगा। वो भी उसका कारण भी एक ही हो सकता है जैसे शंकर के लिए विश्वपिता कहा जाता है, एक ही आधार पर विश्व की बादशाही लेता है, कौनसा आधार है जिसके आधार पर विश्व की बादशाही लेता है? याद बल। तो दूसरे मणके में भी कौनसी ताकत ज्यादा होगी? याद का बल ही उसमें भी ज्यादा होगा। योगबल से ही वो जो भी प्राप्ति करती है वो आत्मा; योगबल से विशेष प्राप्ति करती है। किसी फील्ड़ में किसी को देखने में नहीं आयेगी, किसी मधुबन में जाओ चक्कर लगाए आओ जाके, देखने में, देखने में नहीं आयेगी कि सेवा कर रही है। तो सेवा भी देखने में नही आती।

As regards practical knowledge; the beads of *Rudramala* include all kinds of seeds; so, there might also be a seed who has a practical life or will all the beads of *rudramala* just be speakers. When there are seeds of the entire world, there must also be a seed who puts [the knowledge] into practice in his life; he is the second bead. But it cannot be in a male body. What? Which body will it be? It will be a female body. There can be only one reason for that; just as Shankar is called the world father (*vishwapita*), he obtains the emperorship of the world on the basis of just one subject; what is the basis of obtaining the emperorship of the world? The power of remembrance. So, which power will the second bead also have to a greater extent? She will also have more power of remembrance. Whatever attainments that soul achieves is especially on the basis of the power of yog. She will not be visible to anyone in any field; you can go to any *madhuban*, you will not find her doing service. So, the service will not be visible as well.

[5] gal bajaana: to speak a lot

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

धारणा तो, जब तक सामने कोई आये नहीं धारणा देखने की चीज़ नहीं है। और ज्ञान भी नहीं सुनाने वाली बात। ज्ञान तो सुनाया जाए तभी तो पता चलेगा कि ज्ञानी है या अज्ञानी है? बहुतों को साप्ताहिक कोर्स दे, बहुतों को संदेश दे तो पता चले कि ज्ञानी है। तो पार्ट ही है धारणा करने का, याद का पार्ट है। हाँ, और मिनी मधुबनों में दो बजे, तीन बजे की याद पक्की नहीं होगी। लेकिन जहाँ काशीनगरी होगी, वहाँ पूरे संगठन में दो-तीन बजे की याद पक्की होगी। अमृतवेला कच्चा नहीं हो सकता। नम्बरवार तो होंगे, क्या? संगठन है तो नम्बरवार होंगे या नहीं होंगे? नम्बरवार तो होंगे, तो ऐसे संगठन से अष्टदेव निकलते हैं।

As far as *Dhaarnaa*[6] is concerned, it is something which cannot be seen unless someone comes in front of you. And there is no question of narrating the knowledge too. Only when knowledge is narrated you can know whether someone is knowledgeable or ignorant. If someone gives the seven days course, message to many people it will be known that he is knowledgeable. So, the part [of that soul] is *dhaarana*, there is the part of remembering. Yes, in other minimadhubans the remembrance at 2 AM, 3 AM will not be strong. But the place where Kashinagari resides, the entire gathering will be strong in remembrance at 2-3 AM. The *amritvela*[7] cannot be weak. They will definitely be *numberwise*[8]; what? If there is a gathering, will they be *numberwise* or not? They will definitely be numberwise; so the eight deities emerge from such gathering.

वो अष्टदेव और–2 वंशों के होंगे या सूर्यवंश के होंगे? जरूर सूर्यवंश के (होंगे)। सूर्यवंशी ही 16 कला सम्पूर्ण होते हैं और-2 वंशवाले तो कम कलाओं वाले होते हैं। कम कलावालों को देवता कहेंगे, पक्का? नहीं। इसलिए जो बापदादा कहा जाता है वही दो आत्मायें हैं। शंकर और शंकर की प्यारी नगरी, यह अर्धनारीश्वर का प्रैक्टिकल रूप हो गया। नहीं तो इतना बड़ा ब्राह्मण परिवार एडवांस का, सारे भारत में और विदेशों में भी कुछ ना कुछ फैला हुआ है; इनकी पालना बिना माता के हो सकती है क्या? दुनिया में कोई ऐसा परिवार हुआ है, जो माता के बैगर पाला जा सके? अरे, भारतवर्ष में तो एक स्त्री मरती है, फटाक से..... दो-चार बच्चे अगर घर में है तो फटाक से दूसरी शादी कर लेते हैं; चिंता लग जाती है, माथा गरम हो जाता है, इनकी पालना कैसे करें, रोज़ टट्टी-पेशाब कर रहे हैं, ए, मर जा जाकर कर के। मेरे से नहीं होगा। परिवार की पालना कोई बाप करता है क्या? करता है? नहीं करता। तो बाप का बस नहीं है जो परिवार में बच्चों की पालना करे। जरूर कोई प्रैक्टिकल माता है, माता के रूप में पार्ट बजाने वाली निमित्त कोई शक्ति है जो इतने परिवार के पालन-पोषण करने का सारा प्रबंध करने के लिए निमित्त बनी हुई है।

Will those eight deites belong to other dynasties or to the Sun dynasty? They will certainly belong to the Sun dynasty. Only those who belong to the Sun dynasty are complete with 16 celestial degrees; those who belong to other dynasties have fewer celestial degrees. Will those

[6] the quality of putting into practice the virtues
[7] remembrance in the early morning hours
[8] according to their capacity

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

who have fewer celestial degrees be called firm deities? No. This is why BapDada refers only to those two souls. Shankar and Shankar's dearest city (*pyari nagari*); this is the practical form of *ardhanaareeshwar*. Otherwise, such a big family of advance (party) is spread all over India and even in foreign countries to some extent; can they be sustained without a mother? Has there been a family in the world which could be sustained without a mother? Arey, in the Indian region, when a wife dies, they (remarry) immediately …. If there are two-four children at home, they remarry immediately; they start worrying; their head becomes hot (in worries) how they (i.e. the children) will be sustained; they are passing shit and urine daily; (the husband says) 'go and die. I cannot do this (task of cleaning the shit and urine)'. Does a father sustain the family? Does he? He does not. So, it is not in the capacity of the father to sustain the children in a family. Certainly there is a mother in *practical*; there is a *shakti* who is instrument to play a part in the form of a mother, who is instrument to make all arrangements for the sustenance of this family.

समय-43.11-49.16

जिज्ञासु– बाबा, जलंधर की पत्नी जो वृंदा थी, पतिव्रता थी। तो जब तक पतिव्रता थी जलंधर को शक्ति आता था; तो उनकी शक्ति कैसे भंग हुई? पतिव्रतता।

बाबा– पतिव्रत भंग कैसे हुआ? जो वृंदा थी वो वृन्दा वास्तव में तुलसी का रूप है। यह बात शायद आप नहीं जानते हो। वृंदा जो है वो तुलसी का रूप है। तुलसी की एक खासियत है कि तुलसी का पत्र जब तक भगवान को भोग नहीं लगाया जायेगा तब तक भगवान का भोग पूरा नहीं होता है। भगवान को जब भोग लगायेंगे तो क्या करेंगे? तुलसी का पत्ता ज़रूर होना चाहिए। माने हमारे ब्राह्मण परिवार में एडवांस में कोई एक ऐसा पत्ता रूपी आत्मा है; वो जब तक भगवान के सामने प्रैक्टिकल जीवन में खुद सरेण्ड़र ना हो, भोग ना लगाए भगवान को; लोग तो समझते हैं भगवान ने हद का लड्डू-पेड़ा, और पूड़ी-हलवा खाने आया होगा। अरे, भगवान विकारों का भोग लगाने आता है या कि लड्डू पेड़ा खाने आता है? विकारों का भोग लगाने आता है।

Time: 43.11-49.16

Student: Baba, Jalandhar's wife Vrinda was *pativrata* (loyal to her husband). So, as long as she was *pativrata*, Jalandhar used to get power; so, how did she lose her power? Her loyalty?

Baba: [So, your question is,] how did she lose her loyalty? Actually, Vrinda is a form of Tulsi[9]. Perhaps you do not know this. Vrinda is a form of Tulsi. There is a specialty of the Tulsi (leaves), until the leaf of Tulsi is offered to God, His *bhog* (food offered to God) is not complete. What do they do when they offer *bhog* to God? The Tulsi leaf should certainly be included. It means that there is a leaf like soul in our brahmin family, in the advance (party); until she herself surrenders to God in her practical life, until she offers *bhog* to God…; people think that God must have come to eat *laddu-pera* and *puri-halwa* (sweets) in a limited sense. Arey, does God come to accept the *bhog* of vices or does He come to eat *laddu-pera*? He comes to accept the *bhog* of vices.

[9] The holy basil

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

भगवान को भोग लगायेंगे पर्दा डाल देंगे। अरे, पर्दा डालने की क्या ज़रूरत है? तो भगवान को जब भोग लगाया तो किसने पहले लगाया? किसने अपने को तन, मन, धन से सरेण्डर किया? अरे, कोई पहले करेगा तब तो उसके पीछे-2 ढ़ेर सारे चलेंगे? किसने सरेण्डर किया? जगदम्बा ने, वही तुलसी है। उसके दो रूप हैं – एक काली और एक महाकाली। क्या? एक है काली तुलसी और एक है गोरी तुलसी माने हरी तुलसी। हरित तुलसी जो है वो घर गृहस्थ में ही रखी जाती है, पूजी जाती है। क्या? माना जगदम्बा का जीवन चरित्र सारा देखा जाये; अरे, भगवान के घर में अगर नहीं पल पायेगी तो जहाँ भी रहेगी वो घर गृहस्थ में ही रहेगी, काँटों के जंगल में जाकर नहीं रहेगी सन्यासियों की तरह। लेकिन काली तुलसी? काली तुलसी घर गृहस्थ में नहीं पनपती है ज्यादा। वो जंगल में ही पनपेगी, फलेगी-फूलेगी उसका पौधा सरसब्ज होगा। कहाँ की यादगार? अभी की यादगार, महाकाली। वो अभी भी आत्मा काँटो के जंगल में पल रही है। सरेण्डर सबसे पहले होती है, जगदम्बा से भी पहले लेकिन निभाती बिल्कुल नहीं। तो निभाने वाले से ऊँचा पद बनता है या सरेण्ड़र होने से ऊँचा पद बनता है? निभाने से ऊँचा पद बनता है।

When they offer *bhog* to God, they pull the curtain down. Arey, what is the need to pull the curtain down? So, when *bhog* was offered to God, who offered it first of all? Who surrendered herself through the body, mind and wealth? Arey, someone must have done it first, only then will numerous people follow him. Who surrendered herself [first]? Jagdamba; she herself is Tulsi. There are two forms (of Tulsi): One is *Kali* and the other is *Mahakali*. What? One is dark Tulsi and the other is fair Tulsi, i.e. green Tulsi. The green Tulsi is kept only in the household; she is worshipped there. What? It means that if you see the entire life story of Jagdamba; arey, if she is unable to grow in God's home, then wherever she stays she will live in household only; she will not live in a jungle of thorns like the *sanyasis*. But what about the dark Tulsi? The dark Tulsi does not grow much in household. It will grow, it will flourish only in forests, its plant will grow well there. It is a memorial of which time? It is a memorial of the present time. *Mahakali*. That soul is receiving sustenance in the jungle of thorns even now. She surrenders herself first of all, even before Jagdamba, but does not maintain the relationship at all. So, does someone get a high post by maintaining the relationship or just by surrendering? Someone gets a high post by maintaining the relationship.

तो यह दो तुलसी मानी गई है। उनमें एक वृंदा का नाम है। वृंदा भी तुलसी है, तुलसी का अवतार है। तो जैसे तुलसी है, घर गृहस्थ आँगन में पूजी जाती है; लेकिन क्या कमरे के अदंर भी रखी जाती है? आँगन में रखी जायेगी। दास-दासियाँ आँगन में बैठेगी या बेड़रूम में बैठेगी? आँगन में ही बैठती है। तो तुलसी का पार्ट या जगदम्बा का पार्ट या काली, महाकाली का पार्ट कुछ जीवन में ऐसी गलती हो गई जिस गलती के कारण दास–दासी बनना पड़ता है। जो राजाओं-महाराजाओं के यहाँ राजमाता थी और राजलक्ष्मी बाजू में बैठती है तो जो माता होती है, राजमाता; राजलक्ष्मी जिसके नज़दीक बैठती है, उस राजा की टट्टी-पेशाब साफ कौन किया? राजमाता ने साफ किया, तो दास-दासी का काम किया या नहीं किया? किया। यह हिसाब-

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

किताब है। माँ-बाप ऐसे ही नहीं बन जाते हैं। जहाँ जीत वहाँ जन्म। बच्चा आकर के कोई माँ-बाप के घर में जन्म लेता है तो जरूर उन माँ-बाप के पूर्वजन्मों में जीत पाई है कर्मों पर। तब वो बच्चा आकरके माँ-बाप के घर में जन्म लेता है, टट्टी-पेशाब साफ करो बच्चे। माँ-बाप दास-दासी होते है की नहीं? होते हैं। फर्स्ट क्लास दास-दासी तो माँ-बाप होते हैं। बच्चों का पालन पोषण करें, टट्टी–पेशाब साफ करें; पढाये-लिखायें, जीवन भर कमायें, कमाने के बाद सारे जीवन की कमाई बच्चों को सौंप देते हैं। इतने बढिया दास-दासी कहीं मिलेंगे ? नहीं मिलेंगे।

So, these two kinds of Tulsis are given importance [in the path of bhakti]. One of them is named Vrinda. Vrinda is also Tulsi; she is an incarnation of Tulsi. So, for example, Tulsi is worshipped in the household, in the courtyard, but is she kept inside the room too? She will be kept in the courtyard (*aangan*). Will the servants and maids sit in the courtyard or in the bedroom? They sit only in the courtyard. So, as regards the part of Tulsi, Jagdamba, Kali or Mahakali, she committed such mistake in her life because of which she has to become servant and maid. There used to be queenmothers (*rajmata*) along with kings and emperors and the queen (*rajlakshmi*) sits beside (the king). So, the mother, the queen mother... Who cleaned the dirt[10] of the king beside whom the queen sits? The queen mother cleaned it; so, did she perform the task of servants and maids or not? She did. This is a karmic account. They do not simply become parents. *Jahan jeet vahan janm* (someone is born only in that family over whom he has gained victory). If a child comes and is born at the home of some parents, certainly he has gained victory over the actions of the parents in the past births. It is then that child is born in the house of those parents; 'clean the dirt [of the] child'. Are the parents servants or not? They are. The parents are the first class maids and servants. They bring up the children, they clean their dirt, they educate them; they earn throughout the life and after earning, they entrust the income of their entire life to the children. Will you get such nice maids and servants anywhere? No.

समय-49.40–57.32

जिज्ञासु- गोमा गोबर से उत्पन्न हुई दिखाते है।

बाबा- ये गोमा क्या होता है?

जिज्ञासु– शिवदत्त ब्राह्मण की कथा है ना।

बाबा– शिवदत्त ब्राह्मण की एक कथा है। क्या कथा है?

जिज्ञासु– 7 वर्ष की ब्राह्मणी को 70 वर्ष का शिवदत्त ब्राह्मण शादी करता है।...

दूसरा जिज्ञासु- ...उस कन्या को गोबर से उत्पन्न हुआ दिखाया है। ऐसे कथा-कहानियों में आया है।

बाबा- कथा-कहानियों में आया है कि जो गोबर से उत्पन्न हुई कन्या है, उससे उत्पन्न हुई कन्या से किसकी शादी हुई?

जिज्ञासु- शिवसर्वा ब्राह्मण की।

बाबा- शिवसर्वा, ओ हो वो शिवजी महाराज है। भक्तिमार्ग में एक गायन और है ''12 वर्ष की

[10] Faeces and urine

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

पार्वती, 80 साल के भोलानाथ'' यह कोई दूसरे नहीं है, क्या? जगदम्बा ही उनकी अम्मा है, क्या? जगदम्बा है कामधेनु गऊ, क्या? जगदम्बा क्या है? कामधेनु गऊ है।

Time: 49.40-57.32
Student: It is shown that Goma was born from cowdung.
Baba: What is this Goma?
Student: There is a story of a Brahmin named Shivdutt, isn't there?
Baba: There is a story of a Brahmin named Shivdutt; what is the story?
Student: 70 year old Brahmin Shivdutt marries 7 year old Brahmin girl…..
Another Student: That virgin is said to have been born from cowdung. It is mentioned like this in the stories.
Baba: It has been mentioned in the stories that the virgin born from cowdung was married to whom?
Student: Shivsarva Brahmin.
Baba: Shivsarva; O ho, that is Shivji Maharaj. One more thing is famous in the path of bhakti. *'12 year old Parvati and 80 year old Bholanath (Shankar)'*. They are not someone else. Jagdamba is her mother. What? Jagdamba is the cow Kamdhenu. What? What is Jagdamba? She is the cow Kamdhenu.

जो कामधेनु गऊ है उसका गोबर निकलता है। वर माना श्रेष्ठ। उस गोबर का भी नाम क्या हुआ? गौ वर, उससे जो गोबर निकलता है उससे घर की शुद्धिकरण किया जाता है। किया जाता है कि नहीं? तो भाक्तिमार्ग के हिसाब से, ज्ञानमार्ग के हिसाब से गोबर भी अच्छी चीज़ होनी चाहिए या खराब चीज़ है? अच्छी चीज़ है। जो बडे-2 वैद्य होते हैं ना वो पंचगव्य बनाते हैं। जो मरीज़ होते हैं बडी-2 बीमारियाँ जिनकी ठीक नहीं होती हैं उनके लिए पंचगव्य तैयार करते है। गाय का गोबर भी चाहिए उसमें, गाय का मूत्र भी चाहिए, क्या? यह दोनों चीज़ें चाहिए और फिर शहद भी चाहिए और दूध, दही भी चाहिए। उसको कहते है पंचगव्य। तो वो गोबर की बात है।

The cow Kamdhenu produces cowdung (*gobar*). *Var* means elevated. What is even that cowdung named? *Go var*; the *gobar* (cowdung) that she produces is used to clean the house. Is it used or not? So, from the point of view of the path of *bhakti*, from the point of view of the path of knowledge, should cowdung be somthing good or bad? It is a good thing. The great *Vaidyas* (Ayurvedic doctors), prepare *pancgavya* (a medicinal preparation). *Pancgavya* is prepared for the patients who are not cured of chronic diseases. It requires cowdung as well as cow's urine. What? These things are required and then honey is also required; milk and curd are also required. That is called *panchgavya*. So, it is about *gobar* (cowdung).

वो काहे से पैदा हुई कन्या? गोबर से पैदा हुई। माने बाबा विकारों की लेट्रिन कहते हैं कि नहीं? क्या? जैसे लेट्रिन है, लेट्रिन जाने के बाद नहाना जरूरी है कि नहीं? ऐसे 63 जन्म विकारों में गये तो विकारों के बाद जो लेट्रिन की है, उस लेट्रिन जाने के बाद अब नहाना ज़रूरी है कि नहीं? ऐसे ही यह जो जगदम्बा गऊ है, उस जगदम्बा गऊ की लेट्रिन से जो पैदाईश हुई है; क्या कीचड़ में अच्छी पैदाईश नहीं होती हैं? होती है। कीचड़ में क्या पैदा होता

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

है? कमल फूल पैदा हो सकता है। तो गाय का गोबर कीचड़ से अच्छा है या खराब है? अच्छी चीज़ है ना। कीचड़ से तो कमल फूल पैदा होता है।

What was that virgin born from? She was born from *gobar* (cowdung). It means – does Baba speak about the *latrine* (faeces) of vices or not? What? For example, there is *latrine*; after going to the *latrine* (i.e. after passing stools), is it necessary to take a bath or not? Similarly, you indulged in vices for 63 births; so, you went to the *latrine* of vices; so after going to that *latrine* (of vices), is it necessary to bathe or not? Similarly, this cow Jagdamba; the progeny born from the *latrine* of the cow Jagdamba...; are good things not born in sludge (*keechar*)? They are born indeed. What is born from sludge? Lotus flower can be grown. So, is cowdung better than sludge or worse than it? It is a better thing, isn't it? Lotus flower grows from sludge.

जो विष्णु का चित्र है उसमें बाईं ओर के नीचे वाले हाथ में क्या दिखाया है? कमल फूल। वो किसकी यादगार है? कौनसे जीवन चरित्र की यादगार है? जगदम्बा के जीवन चरित्र की यादगार है की वो जगदम्बा अभी ब्राह्मणों कि दुनिया के बीच में नहीं है। कहाँ पल रही है? कीचड़ की घर गृहस्थ की दुनिया में पल रही है। कीचड़ में से वो कमल का फूल संसार में प्रत्यक्ष होगा। उसका जीवन चरित्र ऐसा है कि कीचड़ में रहते हुए भी बुद्धि महाकाली की कहाँ लगी हुई है? महाकाली के पुराने चित्र देखो, पुरानी मूर्तियाँ देखो, मस्तक में शंकर का चित्र रखा हुआ है, किस बात की यादगार है? है कीचड़ की दुनिया में लेकिन बुद्धि कहाँ रखी है? शंकर जी के साथ रखी हुई है। तो कमल का फूल का पार्ट हुआ ना।

In the picture of Vishnu, what has been shown in the hand on the lower left side? A Lotus flower. It is a memorial of what? It is a memorial of whose life story? It is a memorial of the life story of Jagdamba; That Jagdamba is not present among Brahmins now. Where is she being sustained? She is being sustained in the sludge of the world of household. That lotus flower will be revealed in the world from sludge. Such is her life story that despite living in the sludge, where is the intellect of Mahakali [engaged]? Look at the old pictures of Mahakali, look at the old idols, there is a picture of Shankar on her forehead. It is a memorial of what? She is indeed in a world of sludge, but where is her intellect [engaged]? It is with Shankarji. So, it is a part of lotus flower, isn't it?

तो वो कामधेनु गऊ कमल का फूल जैसा हो गया। कीचड़ की दुनिया में है तो भी कमल के फूल जैसा है और उस कामधेनु गऊ से गोबर पैदा होता है। गोबर की तो इतनी प्रतिष्ठा है, कीचड़ की इतनी प्रतिष्ठा नहीं है। गोबर की प्रतिष्ठा है। उस गोबर से वो कन्या पैदा होती है, कौनसी कन्या? गो मा। कितने देवतायें हैं जिनकी अम्मा कही जाती है, जगदम्बा रूपी कामधेनु? अरे, जगदम्बा रूपी कामधेनु 33 करोड़ देवताओं की अम्मा है कि नहीं, है? है ना। उनमें अव्वल नम्बर देवता पवित्रता को पालन करने वाली आत्मा कौन? अरे, 33 करोड़ देवताओं में कोई अव्वल नम्बर पवित्रता को पालन करनेवाली कोई आत्मा है या नहीं?

जिज्ञासु- है।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

So, the Kamdhenu cow is like the lotus flower. Although it is in the world of sludge, it is like the lotus flower; and cowdung is produced from that Kamdhenu cow. Cowdung is respected so much. The sludge is not respected. Cowdung is respected. That virgin is born from that cowdung; which virgin? Go...ma. Jagdamba in the form of Kamdhenu is said to be a mother of how many deities? Arey, is Jagdamba in the form of Kamdhenu the mother of 330 million deities or not? She is, isn't she? Which is the number one deity soul among them in following purity? Arey, is there any soul which is number one among the 330 million deities in following purity or not?
Student: There is a soul.

बाबा- कौन है? लक्ष्मी है। तो लक्ष्मी की पैदाईश कहाँ से होती है? कौन ज्ञान देगा उसे? जगदम्बा से ज्यादा ज्ञानी तो कोई है ही नहीं, ब्राह्मणों की दुनिया में। तुम्हारी जो बेसिक नॉलेज में जिनमें भगवान आते हैं बताते हैं उनका नाम क्या है? गुल्ज़ार दादी। गुल्ज़ार दादी के सामने वो जगदंबा का पार्ट बजाने वाला व्यक्तित्व अगर पहुँच जाये तो गुल्ज़ार दादी आधा घण्टा तक तो सुनती है फिर माथा पकड़कर के अंदर कमरे में चली जाती है। मेरे माथे में दर्द हो गया यह ज्ञान सुनकर के। तो बेसिक नॉलेज की दीदी-दादियाँ जो ज्ञान सुन ही नहीं सकती, उनकी माथे में बैठता ही नहीं वो ज्ञान देने वाली वो गऊ माता है। तो बेसिक में से जब विजयमाला का आवाहन किया जाये, भारतीय परिवार में बहू आती हैं तो उस बहू का सबसे ज्यादा गुरू बनकर के कौन बैठता है? घडी-2 डायरेक्शन देता रहता है, कौन है? सास होती है; वो ही राजमाता। तो गऊ माँ हो गई। उसकी माँ कौन हो गई? गऊ, इसलिए गो मा । कितनी साल की होती है? 7 साल की होती। कथा-कहानियाँ है कहाँ की? संगमयुग की कथा-कहानियाँ हैं।
Baba: Who is it? (Someone said Lakshmi.) It is Lakshmi. So, from where is Lakshmi born? Who will give her knowledge? There is nobody more knowledgeable than Jagdamba in the world of brahmins at all. What is the name of the person in whom they say that God comes in your basic knowledge? Gulzar Dadi. If the personality of Jagdamba goes in front of Gulzar Dadi, then Gulzar Dadi does listen to her for half an hour; then she holds her head in her hands and goes back to her room. (She says) My head is aching after listening to this knowledge. So, the Didi-Dadis of the basic knowledge who cannot listen to the knowledge at all; it does not sit in their brain at all... the giver of that knowledge is that mother cow. So, when the rosary of victory is invoked from basic (knowledge)...; In an Indian family, when a daughter-in-law comes into it , then who takes the position of becoming her biggest guru? She keeps giving directions to her every moment. Who is it? It is the mother-in-law. She is the queen mother. So, she happens to be the mother cow. Who is her mother? Cow; this is why she is called Goma. How old is she? She is seven years old. The stories pertain to which time? The stories pertain to the Confluence Age.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

समय-1.01.50-1.06.44

बाबा– किसी ने पूछा भक्त लोग मंदिर में जा के फल क्यों चढ़ाते हैं? क्या? मंदिर में जाते हैं तो मंदिर में फल-फूल चढाते हैं ना? तो फल-फूल, पत्र क्यों चढाते हैं? है किसी के पास जवाब?

जिज्ञासू- पहले मनुष्य फल ही खाते थे।

बाबा– नहीं यह बात नहीं फल खाते थे। वो तो जानवर भी फल खाते थे पहले, पहले जानवर भी तो फल ही खाते थे, फल नहीं खाते थे? बहुत से जानवर बंदर-वंदर फल ही तो खाते थे; यह कोई जवाब नहीं हुआ। क्योंकि संगमयुग में इस समय जो ब्राह्मण हैं, वो ब्राह्मण क्या करते हैं? मान लो शिवबाबा की प्रत्यक्षता संसार में जब होती है, शिवबाबा शंकर के द्वारा शिवशंकर भोलेनाथ की प्रत्यक्षता होती है ना? तो लोग क्या करेंगे? प्रत्यक्षता होने से पहले से ही उनके ऊपर फल, उनके ऊपर पत्र, उनके ऊपर फूल चढ़ाना शुरू करते हैं कि नहीं करते है? तो यह चैतन्य फल-फूल, पत्र हैं या जड़ फल-फूल, पत्रों की बात है? चैतन्य फल-फूल, पत्र हैं।

Time: 01.01.50-01.06.44

Baba: Someone asked, why do devotees go to the temple and offer fruits. What? When people go to the temples, they offer fruits and flowers, don't they? So, why do they offer fruits, flowers and leaves? Does anyone have an answer?

Student: Earlier human beings used to eat only fruits.

Baba: No, it is not the issue that they used to eat fruits. The animals also used to eat fruits earlier; earlier even the animals ate fruits, did they not used to eat fruits? Many animals like monkeys, etc., they used to eat only fruits. This is not the answer. It is because in the Confluence Age at present, what do the Brahmins do? Suppose, when the revelation of Shivbaba takes place in the world, Shivbaba [is revealed] through Shankar... the revelation of Shiv Shankar Bholenath takes place, doesn't it? Then, what will people do? Even before revelation, do they start offering fruits, leaves, flowers to Him or not? So, is it about the living fruits, flowers and leaves or about non-living fruits, flowers and leaves? They are living fruits, flowers and leaves.

भगवान के ऊपर गुलाब भी चढ़ाया जाता है। अकौव्वा का फूल भी चढ़ाया जाता है। अक का फूल दुर्गन्ध देता है और गुलाब का फूल सुगंध देता है, किसकी यादगार है? कोई कन्यायें-मातायें होती हैं, ईश्वरीय सेवा में चारों तरफ खुशबू फैलाती हैं, ऐसी कन्यायें-मातायें अपर्ण कर दी जाती हैं। तो गुलाब की फूल हुई या अकौव्वा का? गुलाब का फूल है। कोई ऐसी कन्यायें-मातायें अपर्ण कर देते हैं कि परिवार में बहुत दुख दे रही है, अच्छा हटाओ इनको आश्रम में दे दो, सड़ी बछिया बामन को। अब जब परिवार में ही दुख दे रही है तो वहाँ जाकर दुख देगी सुख देगी? दुख ही देगी। लेकिन शंकर भगवान, शिव भगवान तो ऐसे हैं कि चाहे आक आवे और चाहे गुलाब आवे, अच्छा भैया लाओ-2। ब्रह्माकुमारियाँ ऐसे नहीं करती हैं, क्या? वो अच्छे-2 फूल अर्पण करती हैं कि खराब-खराब? 5 साल देखेंगे तब अर्पण करेंगे। फूल बन जायेगा तो अर्पण करेंगे कांटा होगा तो छोड़ देंगे और शिवबाबा कैसे हैं? कैसे है? उनके ऊपर अक का भी फूल चढ़ाया जाता है, गुलाब के भी फूल चढ़ाये जाते हैं।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Rose as well as Akauva[11] (flowers) are offered to God. The flower of *Ak* gives out bad odour and the Rose gives out fragrance; it is a memorial of what? There are some virgins and mothers who spread fragrance in Godly service everywhere. So, such virgins and mothers are offered (surrendered); so are they Rose flowers or Akauva flowers? They are Rose flowers. Some surrender such virgins and mothers who are giving a lot of sorrow in the family; [so, they think:] ok, give them to the *ashram*. *'Give the useless cow to the Brahmin.'* Well, when she is giving sorrow in her own family, will she give sorrow or happiness when she goes there (to the *ashram*)? She will give only sorrow. But God Shankar, God Shiv is such whether the Ak (flower) comes or the Rose; Ok, brother bring it. The brahmakumaris don't do like this; what? Do they surrender nice flowers or bad ones? They allow someone to surrender only after they have seen them for 5 years. If they become flowers they will surrender them and if it is a thorn, they will leave them. And what is Shivbaba like? The flower of Ak as well as Roses are offered to him.

श्रावण मास में देखो, शिवलिंग कैसा गुलाब के फूलों से सजाया जाता है। और उनके ऊपर धतूरे के फूल भी चढ़ाया जाता है। धतूरे के फूल देखे? कैसे होते हैं? (किसीने कुछ कहा) हाँ, लंबा छेद होता है और दुर्गन्ध छोड़ता है। ऐसों को भी अर्पण कर लेते हैं। उनसे भी ईश्वरीय सेवा ले लेते हैं। तो यह फूल, यह फल, यह पत्तें किसकी यादगार है-2? अरे, इस समय के चैतन्य फूल, पत्रों की बात है। सभा बैठी हुई होती है, सन्यासी जी प्रवचन करते हैं, पीछे से भगत लोग पका हुआ आम यू फेंक के मारते हैं - यह लो; काहे की यादगार है? आम जो है सब फलों में श्रेष्ठ माना जाता है, राजा माना जाता है; होता है कि नहीं? होता है। तो ऐसे पके हुए फल, वो भक्त लोग अर्पण करते है सन्यासियों के ऊपर, फेंक-2 के मारते हैं। यह भी कहाँ की यादगार होगी? यह भी संगमयुग की यादगार है। वहाँ सन्यासी सफेद कपड़ेवाले बहुत ढेर बैठे हुए हैं, क्या? बैठे हैं कि नहीं? और ऐसे-2 पी.बी.केस्. बैठे हुए हैं जिन्होनें अपनी कन्यायें, अपनी बहनें और भांजियाँ वहाँ अपर्ण की हुई हैं और बडे प्यार से अर्पण की है तो सब यादगारें कहाँ की हैं? यहाँ की यादगार है। वहाँ जड़ रूप में मनाते हैं और यहाँ चैतन्य रूप में।
Look, in the month of Shraavan, *Shivling* is decorated so much with rose flowers. And the flowers of *Dhatura* are also offered to Him. Have you seen the flowers of Dhatura? What are they like? (Someone said something.) Yes. There is a long hole and it emits bad odour. Such ones are also allowed to surrender. They are also enabled to do Godly service. So, these flowers, fruits and leaves are memorial of what? Arey, it is about the living flowers and leaves of the present time. When there is a gathering and a *sanyasi* gives lecture; devotees throw ripe mangoes from behind like this; take this. It is a memorial of what? Mango is considered to be the best among all the fruits; it is considered to be the king; is it [the king] or not? It is. So, those devotees offer such ripe fruits to the *sanyasis*; they hit them by throwing it on them. This is a memorial of which time? This is also a memorial of the Confluence Age. There, white robed sanyasis are sitting in large numbers. What? Are they sitting or not? And such PBKs are sitting [here] who have surrendered their daughters, sisters and nieces there and have surrenderd them very lovingly; so, all the memorials are of which place? They are memorials of this place. There, they celebrate it in a non-living form and here in a living form.

[11] Ak or Akauva: a flower that gives out bad odour.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

समय-1.06.47-1.08.26

जिज्ञासु- बाबा, बाबा ने तो कहा बाहुबल नहीं चलाना। तो बच्चा लोग फिर बहुत तंग करते हैं बाबा, फिर बाहुबल नहीं चलायेंगे तो कैसे...।

बाबा- बाबा ने बता दिया उनके हाथ, पाँव बांध दो। पीछे हाथ लो और पुरानी धोती फटी हुई से, क्या? रस्सी से नहीं बांधो नहीं तो गरारा पड़ जायेगा। पुरानी फटी हुई सूती धोती से बांध दो और पाँव भी बांध दो (अगर) ज्यादा शैतान हो और कमरे में बंदकर के डाल दो। बाबा ने कहा बाँध दो, हाथ-पाँव बांध के डाल दो और, और क्या करो? खाना मत दो।

जिज्ञासु- सुन रहे हैं बाबा यह लोग।

Time: 01.06.47-01.08.26

Student: Baba has told us not to use physical power. So, Baba, when children trouble a lot if we don't use physical force then how to....

Baba: Baba has said, tie their hands and legs. Hold their hands at their back and tie them with an old, torn *dhoti*[12] ; what? Do not tie their [hands] with a rope; otherwise it will leave a mark. Tie them with an old torn cotton *dhoti* and tie their legs as well if they are more mischievous and lock them up in a room. Baba has said: tie them up, tie their hands and legs and put them [in a room]; what else should you do? Do not give them any food.

Student: Baba these people (i.e. children) are listening.

बाबा- हाँ, एक-दो दिन खाना मत दो; अक्ल ठिकाने आ जायेगी। कान पकड़ दो, क्या? मार.... अगर शरीर का ही थोड़ा देना है, शरीर का ही भुगतान करना है, दंड़ देना है तो क्या करो? कान पकड़ दो। ऐसे नहीं - मोहम्मद घोरी, पृथ्वीराज को क्या किया? आँखों में, आँखों में किलियाँ घुसेड़ दी। ऐसा दर्द देनेवाला धर्मराज ना बनना। बाबा कहते हैं सिर्फ कान पकड दो, ज्यादा नहीं और कान जोर से भी पकड़ सकते हैं, क्या? कि धीरे से पकड़ा जा सकता है? ज़ोर से भी पकड़ सकते हैं। ज़ोर से पकड़ेंगे तो काँय निकल जायेगी।

Baba: Yes, do not give them any food for one or two days; then they will understand. Catch their ears; what? Beatings .... if you have to give [pain] to the body a little, if you want them to experience punishment through the body; if you want to punish them; what should you do? Catch them by their ears. Don't [act] like Mohammad Gori; what did he do to Prithviraj? He poked nails into his eyes. Do not become a Dharmaraj who gives such pain. Baba says, just catch their ears; not more than that; and you can hold their ears tightly as well; what? Or can you hold it [only] lightly/gently? You can hold it tightly too. If you hold it tightly, they will scream.

[12] a long unstiched cloth used to cover the lower portion of the body by Indian men.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

समय- 01.08.36–01.11.17

बाबा- पूछ रहे हैं कि गीता पाठशाला में सवेरे क्लास कै बजे रखना चाहिए? बोलो, भाई लोग बोलो कै बजे रखना चाहिए? अरे, भाई लोग नहीं बोलेंगे तो हम माताओं से पूछेंगे, फिर पीछे रह जाओगे।

भाई लोग– 5 बजे।

बाबा- 5 बजे? क्यों? अच्छा, क्यों बाद में पूछेंगे; हाँ, मातायें बताओ। क्लास कै बजे रखना चाहिए?

माता लोग- 5.30-6.00 बजे।

बाबा- 5.30-6.00 बजे। कोई को कुछ और बोलना है?

Time: 01.08.36-01.11.17
Baba: They are asking, at what time should the class be organized in the morning at Gitapathshala? Tell me brothers, what time should it be organized? Arey, if the brothers do not speak, we will ask the mothers; then you will lag behind.
Brothers: 5 O'clock.
Baba: 5 O'clock? Why? OK, the reasons will be asked later on. Yes, the mothers, speak up . At what time should the class be organized?
Mothers: 5.30-6.00 A.M.
Baba: 5.30-6.00 AM. Does anyone have anything else to say?

माता लोग- 5.30 बजे।

बाबा- 5.30 बजे? अब भाईयों से पूछ रहे हैं कि यह 6 बजे या 5 बजे क्यों रखना चाहिए? 3 बजे क्यों नहीं रखें? 2 बजे से अमृतवेला नहीं होता है? 2 बजे अमृतवेला होता है कि नहीं?

जिज्ञासु- होता है।

बाबा- तो 2 बजे क्यों ना रखे? भाई लोग जवाब नहीं दे रहे है फिर हम माताओं से पूछ रहे हैं।

जिज्ञासु- कन्यओं-माताओं की सेफ्टी के कारण।

Mothers: 5.30 AM.
Baba: 5.30 AM? Now I am asking the brothers, why should the class be organized at 6 AM or 5 AM? Why not at 3 AM? Doesn't the *amritvela* begin from 2 AM? Does *amritvela* begin from 2 AM or not?
Student: It does.
Baba: So, why shouldn't it be organized at 2 'O clock? Brothers are not answering. Then I will ask the mothers.
Student: Due to the safety of the virgins and mothers.

बाबा- हाँ, कन्याओं–माताओं की सेफ्टी - यह पहला धर्म है। क्या? गीता पाठशाला का लक्ष्य है - लक्ष्मी–नारायण बनना है और लक्ष्मी–नारायण बनाना है। लक्ष्मी-नारायण होते हैं 16 कला सम्पूर्ण, सम्पूर्ण पवित्र। तो जब यही लक्ष्य है हमारा कि सारे विश्व को, खास भारत को, बाबा

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

के बच्चों को पवित्र बनाना है तो लक्ष्य है तो रात में वातावरण ठीक नहीं होता है गुन्डे-उन्डे, चोर-चकार, चोर–इकैत ऐसे फिरते रहते हैं; तो वो टाईम ठीक नहीं है। जब तक सवेरा ना होने लगे, झुटपुटा ना होने लगे, आदमी देखने में ना आये, क्या? 10-15 मीटर की दूर का आदमी कम से कम देखने में तो आये तो उस समय क्लास शुरू करना है। सर्दियाँ हैं तो देर में शुरू कर सकते हैं क्योंकि देर से सूर्य उदय होता है और गर्मियाँ है तो एक घण्टा पहले भी शुरू करते हैं क्योंकि दिन जल्दी शुरू हो जाता है गर्मियों में। बाकी रात में क्लास शुरू नहीं करना है। ऐसे ही शाम को।

जिज्ञासु- 2 बजे बाबा की याद करना पड़े।

बाबा- याद करो, घर में बैठकर करो। बाहर ना निकलो, न कन्याओं–माताओं को बाहर निकलने दो। चाहे वो कम उम्र की मातायें है उनकी भी तो सेफ्टी करनी है, कन्या नहीं है तो क्या हुआ?

Baba: Yes, the first duty is to ensure the safety of the virgins and mothers. What? The aim of a *gitapathshala* is to become Lakshmi Narayan and to make others Lakshmi-Narayan. Lakshmi - Narayan are perfect with 16 celestial degrees, completely pure. So, when our very aim is to purify the entire world [in general], India in particular and Baba's children... so the atmosphere is not good at night; goons, thieves, dacoits etc. keep roaming around. So, that time is not good. Until it is dawn, until it is morning, until people become visible, what? When you can see people at a distance of at least 10-15 meters, you should start the class at such a time. If it is winter, you can start late because the Sun rises late and if it is summer, the class starts an hour early because the day begins early in summers. As for the rest, you should not begin the class at night time (i.e. in darkness). Similar is the case with evenings.

Student: We have to remember Baba at 2 AM.

Baba: Remember (Baba) sitting at home. Do not come out (of the house). Don't let the virgins and mothers go out. Even if they are young mothers, you have to ensure their safety too; it does not matter if they are not virgins.

समय: 01.11.16-01.12.56

जिज्ञासु- बाबा, गीता पाठशाला में ताला लगाके घर के निमित्त गायब हो जाये (जाते है)।

बाबा- कितने दिन के लिए?

जिज्ञासु- 9 दिन, 8 दिन, 5 दिन ऐसे करके...।

बाबा- तो ऊपर शिकायत करो, गीता पाठशाला बन्द करवा दो। तुम डरते काहे के लिए हो? डरपोक राजा के राज्य में रहोगे।

जिज्ञासु- लिखित में दिया है बाबा।

बाबा- चलो लिखित दिया वो बाबा के हाथ में दिया या वहाँ पहूँचाया?

जिज्ञासु- फर्रुखाबाद...

बाबा- फर्रुखाबाद पहूँचाया। चलो किसीने नहीं पहूँचाया होगा। क्या? इसलिए जैसे कोई गलती कोई करता है, सख्त गलती है.... मन्दिर के दरवाजे बन्द होते हैं क्या?

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

किसीने ने कुछ कहा।

बाबा- मन्दिर में ताला लगाना चाहिए? नहीं लगाना चाहिए। हमने गीता पाठशाला खोली इस लक्ष्य से कि हम लक्ष्मी नारायण बने और दूसरों को लक्ष्मी नारायण बनाये। ऐसा पाठ पढायें। तो शिवबाबा का मन्दिर हो गया ना? उस मन्दिर में ताला तो नहीं लगना चाहिए। किसी को निमित्त बनाके बैठा दो दूसरी माता को। मैच्योर्ड माता को बैठा दो। अच्छा बूढी माता को बैठा दो। वो बूढी माता देखो बैठी है। उसका भाग्य बनने दो। तुम अपने घूमो फिरो भई कही भी चले जाओ। बूढी माता का भाग्य बनने दो बिचारी का।

Time: 01.11.16-01.12.56

Student: Baba, the *incharges* of Gita pathshala lock up the house and disappear.

Baba: For how many days?

Student: For about 9 days, 8 days, 5 days…

Baba: Report to the head office, get that Gita pathshala closed. Why do you fear? [If you do so] you will stay in the kingdom of a coward king.

Student: Baba, I have given it in writing to Baba.

Baba: Alright you gave it in writing; did you give it directly to Baba or did you send it there (to the head office)?

Student: Farrukhabad…

Baba: You gave it in Farrukhabad. Ok, someone mustn't have delivered it (to the head office). What? That is why, if someone commits a mistake, if it a serious mistake…. Are the doors of a temple closed [anytime]?

Someone said something.

Baba: Should you lock up a temple? You shouldn't. We have opened the Gita pathshala with the aim that we should become Lakshmi Narayana ourselves as well as make the others Lakshmi Narayana. We should give such a teaching. So, it became a temple of Shivbaba, didn't it? You should certainly not lock that temple. Keep some mother in charge of the Gitapathshala. Keep some matured mother in charge. Alright, keep an old mother in charge. Look, that old mother is sitting. Let her make her fortune. You may roam around anywhere. Let the poor old mother make her fortune.

……

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info